International Journal of Advanced Research and Development
ISSN: 2455-4030, Impact Factor: RJIF 5.24
www.advancedjournal.com
Volume 2; Issue 4; July 2017; Page No. 478-479

गाँव बिछपड़ी जिला हिसार (हरियाणा) का सामाजिक एवं आर्थिक अध्ययन

डॉ0 जगदीश दुहन

ऐक्सटेन्शन लेक्चरर भूगोल विभाग राजकीय महाविद्यालय बरवाला, हिसार (हरियाणा), भारत।

प्रस्तावना

लम्बे समय से भूगोलवेता भूगोल में क्षेत्रीय अध्ययन द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक जानकारी प्राप्त करते रहे है। भूगोल का अध्ययन क्षेत्र विशेष में जाकर ही होता है क्योंकि क्षेत्र विशेष में जाकर उसके भौतिक एवं सास्कृतिक तत्त्वों की जो जानकारी हमें प्राप्त होती है वह सदा के लिए हमारे मस्तिष्क में अंकित हो जाती है।

अध्ययन क्षेत्र – अध्ययन क्षेत्र में ब्लॉक बरवाला के गाँव बिछपड़ी को शामिल किया गया है। गाँव के अध्ययन से यह बात उभरकर कर आती है कि गाँव की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है भूमि जोत छोटे आकार की है जो गांव के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन को प्रभावित करती है। यह जानने के लिए गाँव एक आदर्श ईकाई है।

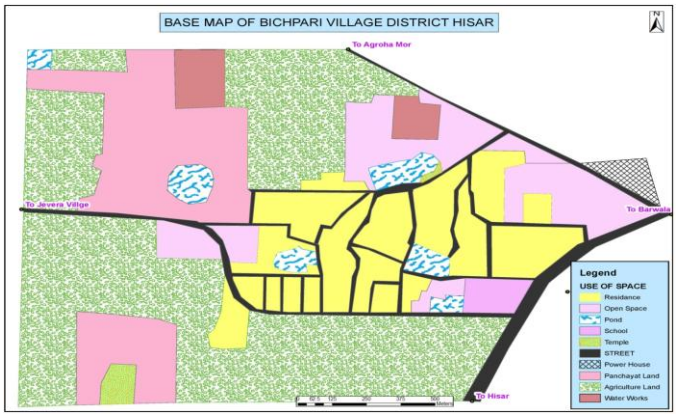

अध्ययन के उदेश्य – ग्रामीण अध्ययन के निम्न उद्देश्य है।

- गाँव के सामाजिक स्तर का ज्ञान प्राप्त करना।
- गाँव के आर्थिक स्तर का ज्ञान प्राप्त करना।
- गाँव के शिक्षा के स्तर का ज्ञान प्राप्त करना।
- गाँव का विकास करवाने हेतु सुझावों को प्रस्तुत करना।

स्थिति एवं विस्तार – किसी भी प्रदेश की स्थिति उस क्षेत्र का विशिष्ट गुण है जो सम्बन्धित क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक क्रियाओं को प्रभावित करती है। बिचपड़ी गाँव एक ऐतिहासिक गाँव है जो बरवाला शहर से 8 कि0मी0 उत्तर दिशा में बरवाला मार्ग पर स्थित है इसके उत्तर में बरवाला पूर्व में पंघाल, दक्षिण में बाड़ोपट्टी पश्चिमी में जेवरा गाँव इसकी सीमाएं निर्धारत करते है। इस गाँव का कुल क्षेत्र 873 हैक्टेयर है गाँव की आबादी क्षेत्र लगभग 52 एकड़ में फैला है। यह जीन्द, बरवाला, हांसी, हिसार शहरों से राज्यमार्गो द्वारा जुड़ा है।

तकनीक एवं विधितन्त्र – यह अध्ययन ग्रामीण ईकाई पर आधारित है अध्ययन में मुख्यत्य द्वितीय आंकडो को शामिल किया गया है। इन आंकडो के प्रदर्शन हेतु तकनीक में मानचित्र एवं सारणियों का प्रयोग किया गया है।

धरातल एवं मिट्टी– उत्तरी भारत के मैदान का हिस्सा होने के कारण यह क्षेत्र दोमट मिट्टी का बना हुआ है इस क्षेत्र का समतल मैदान फसलों की सिंचाई के लिए उत्तम है।

जलवायु – जलवायु किसी क्षेत्र की जैविक एवं भौतिक क्रियाओं को प्रभावित करती है तापमान एवं वर्षा जलवायु के मुख्य कारक है यहाँ महाद्वीपीय जलवायु पाई जाती है। मार्च में तापमान बढ़ना शुरू कर देता है और जून में अधिकतम तापमान पाया जाता है जो 44^{0}C तक पहुँच जाता है। अक्टूबर में तापमान गिरना प्रारम्भ कर देता है जनवरी का महीना सबसे ठण्डा होता है जिसमें तापमान 2^{0}ह तक पहुँच जाता है।
यहाँ वर्षा द0–प0 मानसून पवनों द्वारा होती है जो जुलाई से सितम्बर के बीच होती है जो 367.9 एम.एम. है। शीत ऋतु में होने वाली थोड़ी सी वर्षा में लिए भूमध्यसागरीय प्रदेशों से आने वाले चक्रवात जिम्मेवार है।

जनाकिकिय एवं सामाजिक संरचना – किसी क्षेत्र के मानवीय संसाधनों का वहां के सामाजिक –आर्थिक विकास पर सीधा असर पड़ता है। मानवीय ससाधनों की संरचना उस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गहनता से प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए उच्च जातियों के पास आर्थिक रूप से अधिक धरोहर होती है। जबकि निम्न श्रेणियों की जातियाँ आर्थिक दृष्टि से कमजोर होती है। इसी प्रकार किसी क्षेत्र की कुल जनसंख्या इस क्षेत्र की भूमि जोत के अनुपात को उत्तरोतर प्रभावित करती है। जनकिकिय एवं सामाजिक संरचना के कुछ पहलु निम्नलिखित है–

जनसंख्या – भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार गाँव बिचपड़ी की कुल जनसंख्या 3354 व्यक्ति है। इसमें से 1758 पुरूष व 1596 महिलाएं है।

लिगांनुपात – लिगांनुपात किसी भी क्षेत्र के सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण संकेत है लिगांनुपात का असन्तुलित होना उस क्षेत्र विशेष के विकास में बाधक है अध्ययन क्षेत्र का लिगांनुपात 908 है (राष्ट्रीय औसत 940) से कम है जो इस क्षेत्र के लिए विकास के लिए अशुभ संकेत है।

पारिवारिक संगठन – ग्रामीण अध्ययन में पाया गया कि यहां एकल परिवारों की बहुलता है। गांव में 100 व्यक्ति सरकारी नौकरियों में है एवं यहां पर 632 परिवार है।

कुरितियाँ – सर्वेक्षण के दौरान पाया गया है कि गांव में प्रर्दा–प्रथा अशिक्षित के साथ शिक्षित परिवारों में भी है।

साक्षरता – साक्षरता ही एक ऐसा संकेतम है जो किसी क्षेत्र के विकास स्तर की जानकारी देता है। ग्रामीण अध्ययन से ज्ञात होता है कि यहां पर शिक्षा का स्तर काफी अच्छा नहीं है जो निम्न सारणी से स्पष्ट है।

Table 1

Village –Bichpari Block Barwala					
No. of Literates			Literacy Rate		
Person	Male	Female	Person	Male	Female
1822	1115	0707	54.32	61.20	38.80

***Source*:** Census of India-2011

शैक्षाणिक दृष्टि से गांव की स्थिति सही नहीं है इसको सुधारने की तुरन्त आवश्यकता है।

मूलभूत सुविधाएँ – कोई भी किसी भी क्षेत्र का सामाजिक–आर्थिक अध्ययन तब तक अधूरा है जब तक उस क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी हमे न हो। अध्ययन क्षेत्र में एक राजकीय पशु चिकित्सालय, आँगनबाड़ी केन्द्र व 3 चौपाले है।

यातयात – परिवहन की सुविधा किसी क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक स्तर को निर्धारित करने वाला प्रमुख कारक है। परिवहन की अच्छी व्यवस्था दूरी में लगने वाले समय एवं लगात को कम करती है इसका सीधा प्रभाव मानव के आर्थिक सामाजिक स्तर के साथ–साथ कृषि उत्पादन पर भी पड़ता है। इस दृष्टि से गांव राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है।

सुझाव – प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर गांव के आर्थिक–सामाजिक या सर्व विकास हेतु निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते है।

1. प्राथमिक उपचार हेतु गांव में प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र होना चाहिए।
2. लिगांनुपात को सुधारने के लिए गांव में महिलाओं की विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ रही भागीदारी से लोगों को अवगत करवाया जाए।
3. कुल साक्षारता दर भी गांव में काफी कम है। इसे तुरन्त बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए।
4. महिला साक्षरता को बढ़ाना गांव में बड़ा जरूरी है।
5. गांव में पशुधन के लिए एक पशुचिकित्सालय की जरूरत है।
6. गांव के गन्दे पानी को एक जगह एकत्रित करके उसको कृषि हेतु उपयोग में लाया जा सकता है।

सन्दर्भ

1. बिचपड़ी गाँव के सामाजिक आर्थिक विकास पर डॉ0 बी.एस. कुण्डु के निर्देशन में मार्च/अप्रैल 2016 की रिपोर्ट।
2. भारत की जनगणना 2011
3. Internets